सिकलसेल एनीमिया जांच हेतु सॉल्यूबिलिटी जांच करने का तरीका

आवश्यक सामग्री -

ट्यूब

ढक्कन

R1 बफर
(बड़ा बाटल)

R2 सिकलसेल
पावडर
(छोटा बाटल)

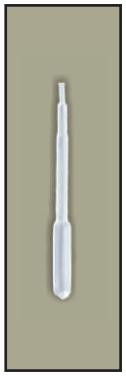

माइक्रोपीपेट
(खून लेने
के लिए)

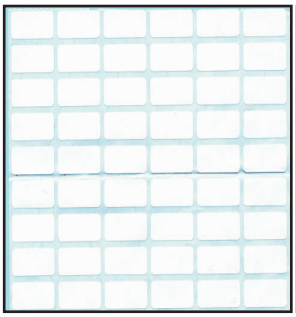

लेबल
(नाम लिखने
के लिए)

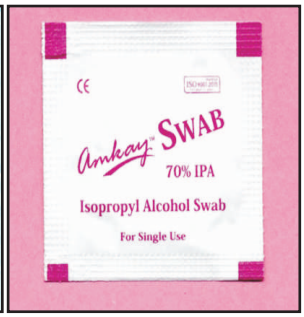

स्वाब

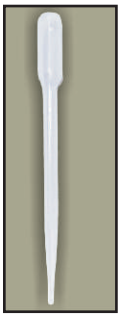

ड्रापर
(घोल लेने
के लिए)

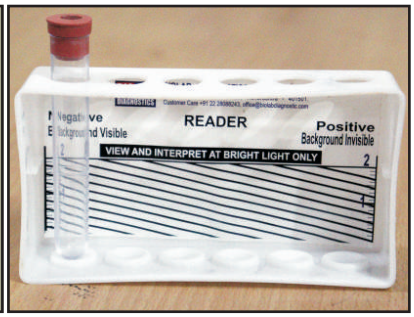

रिडर स्टैण्ड

लैंसेट

साल्यूबिलिटी जांच किनका करेंगे- 15 से 40 वर्ष से शुरू करें। पति-पत्नी दोनों निगेटिव आने पर बच्चों की जांच की आवश्यकता नहीं है और उन्हें भी साल्यूबिलिटी निगेटिव अर्थात् AA मानेंगे।

जांच से पहले ध्यान रखने वाली बातें - (जांच के पहले अपने घर में ही सॉल्यूशन बनाकर ले जाएं)

सॉल्यूशन बनाने की विधि-

- एक R1 (बड़ा बाटल) जो बफर है, उसका ढक्कन खोलेंगे और उसमें एक R2 (छोटा बाटल) जो पावडर है उसको पूरा डाल देंगे।
- फिर R1 (बड़े बाटल) का ढक्कन बंद करके उसको 30 सेकंड तक हिलाएंगे, जब तक पावडर उसमें घुल न जाए। इस घुले हुए सॉल्यूशन को 1-2 दिन में ही उपयोग कर लें। किसी भी स्थिति में 7 दिन से अधिक उपयोग नहीं करें।
- एक बाटल का सॉल्यूशन खत्म हो जाने पर ही दूसरे R1-R2 बाटल को घोलेंगे।

जांच प्रक्रिया -

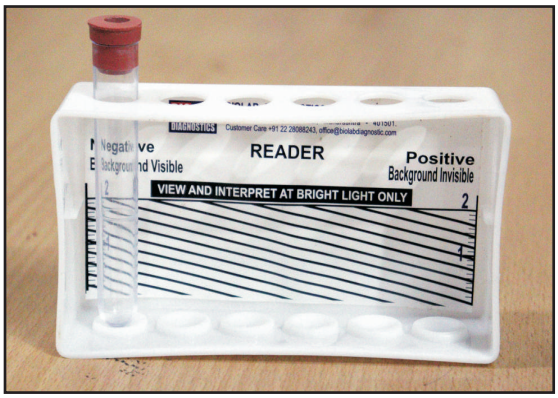

- जांच दिन के समय अच्छी रोशनी में ही करें।
- सॉल्यूबिलिटी जांच करने से पहले सभी सामग्री को एक जगह रखेंगे
- ट्यूब में व्यक्ति के नाम की पर्ची लगाएंगे।
- फिर ट्यूब को रिडर स्टैण्ड में लगा देंगे जिसमें काला लाईन बना हुआ है।
- घुले हुए साल्यूशन को ड्रापर से लेकर ट्यूब में वहां तक डालेंगे जहां तक लाइन बना हुआ है।
- व्यक्ति को आरामदायक स्थिति में बिठाएंगे। उसके बांये हाथ की अंगूठे से चौथी उंगली को स्वाब से साफ करेंगे फिर लैंसेट से खून निकालने के लिए उंगली में चुभाएंगे।
- उसके बाद सफेद माइक्रोपिपेट को जहां से खून बह रहा है उसके ऊपर लगाएंगे और ऊपर से धीरे से दबाएंगे और फिर धीरे-धीरे छोड़ेंगे जिससे अधिक से अधिक खून माइक्रोपिपेट में आ जाये।
- फिर माइक्रोपिपेट जिसमें खून का सैम्पल लिये हैं, उसको उसी स्थिति में परखनली में ले जाकर हल्का से दबाकर ब्लड सैम्पल को पहले से घुले हुए साल्यूशन ट्यूब में डाल देंगे और ट्यूब को ढक्कन से बंद कर देंगे। उसके बाद ट्यूब को 10 से 15 सेकंड तक हिलाकर मिलाएंगे।
- फिर ट्यूब को रिडर स्टैण्ड में लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ देंगे।
- 10 मिनट के बाद ही परिणाम देखेंगे।

जांच का परिणाम -

1. **निगेटिव** - ब्लड साल्यूशन ट्यूब को सामने से देखने से काला लाइन सामने स्पष्ट दिखाई देता है।
2. **AS/SS पॉजीटिव** - ब्लड साल्यूशन ट्यूब को सामने से देखने से काला लाइन सामने दिखाई नहीं देता है अथवा बहुत धुंधला दिखाई देता है।

निगेटिव AS/SS पॉजीटिव

ध्यान रखने वाली बातें -

- जांच परिणाम आंशिक धुंधला होने पर अथवा मितानिन को जांच परिणाम के बारे में संदेह होने पर उस व्यक्ति की अधिक खून लेकर दोबारा जांच कर सकते हैं।
- तब भी जांच परिणाम धुंधला हो तो उसे पॉजीटिव मानना है।

पॉजीटिव आये प्रकरणों के लिए मितानिन क्या करेंगी -

- उन प्रकरणों की जानकारी मितानिन प्रशिक्षक को नोट करवाएगी।